Rachna Sharir-A

M. : 90 **Time : 3 Hours**

: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

शारीर विभाग का महत्व एवं शारिर का पाँचभौतिकत्व स्पष्ट करें। 15

शुक्रजनन क्रिया स्पष्ट करते हुये गर्भ वृद्धिकर भाव प्रतिपादित किजिये। 15

परिभाषा लिखें। 15

क) अस्थि भवन (ossification)

ख) कोष विभाजन

ग) बीज भागावयव

धमनि उत्पत्ति स्थान, संख्या लिखते हुए महाधमनि का सचित्र वर्णन करें। 15

लसिका ग्रन्थि एवं लसिका वाहिनि का स्पष्ट वर्णन करें। 15

"स्रोतेमयमहि शरिरं" का अर्थ स्पष्ट करते हुये प्राणवह स्रोतस का सचित्र वर्णन करें। 15

Rachna Sharir-B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. मुख से गुद पर्यन्त पाचन अवयवों का रचनात्मक सचित्र वर्णन करें । 15

2. अवटुका ग्रन्थि का सचित्र वर्णन करें । 15

3. उदरगुहा कला का सचित्र वर्णन करें । 15

4. अनुकम्पी एवं परानुकम्पी नाड़ी चक्रों का सचित्र वर्णन करें। 15

5. षड्चक्रों का सचित्र वर्णन करें। 15

6. मर्म शब्द की व्याख्या, संख्या, स्थान भेद बताते हुए, मर्म का शल्यतंत्रीय महत्व पर प्रकाश डालें। 15

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2008/05

Sanskrit - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या करें। 4x5=20

   क) आदित्यस्य नमस्कारं ये कुर्वन्ति दिने दिने।
   जन्मान्तरसहस्रेषु दारिद्रयं नोपजायते ।।

   ख) पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलमन्नं सुभाषितम् ।
   मूढैः पाषाणखण्डेषु रत्नसंज्ञा विधीयते ।।

   ग) शाकेन रोगा वर्धते, पयसा वर्धते तनुः ।
   घृतेन वर्धते वीर्यं, मांसान्मासं प्रवर्धते ।।

   घ) नास्ति क्षुधासमं दुःखं, नास्ति रोगो क्षुधासमः।
   नास्त्याहारसमं सौख्यं, नास्ति क्रोधसमो रिपुः।।

2. क) "मद्य गुण दोष विज्ञानीय" अध्याय का सार लिखें । 10

   ख) हिन्दी में अर्थ लिखें । 5
   निष्फला, व्याधिः, विधेयः, मूर्च्छितः, गोमये

3. सप्रसंग व्याख्या करें । 3x4=12

   क) नगरी नगरस्येव रथस्येव रथी यथा ।
   स्वशरीरस्य मेधावी कृत्येष्ववहितो भवेत् ।।

   ख) भिषजां साधुवृत्तानां भद्रमार्गम शालिनाम् ।
   अभ्यस्त कर्मणां भद्रं भद्रं भद्राभिलाषिणाम् ।।

   ग) न वै तं चक्षुर्जहाति, न प्राणो जरसः पुरा ।
   पुरं यो ब्रह्मणों वेद यस्याः पुरुषः उच्यते ।।

4. "शरीररक्षोपदेशः" प्रकरण का सार लिखें। 8

5. सप्रसंग व्याख्या करें। 4x5=20

   क) अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम् ।
   उदारचरितानान्तु वसुधैव कुटुम्बकम् ।।

   ख) सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्धं त्यजति पण्डितः ।
   अर्धेन कुरूते कार्यं, सर्वनाशो हि दुःसहः।।

   ग) इच्छति शती सहस्रं सहस्री लक्षमीहते ।
   लक्षाधिपस्तथा राज्यं, राज्यस्थः स्वर्गमीहते ।।

   घ) शीलं शौचं क्षान्तिर्दाक्षिण्यं मधुरता कुले जन्म ।
   न विराजन्ति हि सर्वे, वित्तविहीनस्य पुरुषस्य ।।

6. "सिंहकारकमूर्खब्राह्मण" कथा का सार शिक्षा सहित हिन्दी में लिखें। 15

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2008/05

Sanskrit - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अन्तस्थ एवं ऊष्म वर्णों को ससूत्र स्पष्ट करें। 6

2. क) सन्धि करें। 5
पितृ + अनुमति, गै + अनः, ये + इह, उद् + ज्वलः, हयास् + हेषन्ति

ख) सन्धि विच्छेद करें।
लीटे, गुणाष्षट्, शश्युदियाय, ग्रीष्मर्तुः, मैवम् 5

3. समस्त पद का विग्रह करते हुए समास का नाम लिखें। 6
अनुरथम्, नगरसिद्धः, दंशमषकम्, कृष्णनागः, चतुर्युगम्, शूद्राभार्यः।

4. क) निम्नलिखित उपपदों को उचित विभक्ति लगाते हुए वाक्यों में प्रयोग करें।
उभयतः, जाति, कृतं, हीनः, स्वधा, विरमति, वितरति, अभिलष । 8

ख) स्त्रीप्रत्ययान्त रुप लिखें। 5
भवः, रूद्रः, गोरः, मातुल, तरुणः।

5. क) निम्नलिखित धातुओं से निर्दिष्ट प्रत्यय प्रयुक्त करें। 5
अद् + तव्यत्, नम् + कृत्, गम् + अनीयर्, वर्ध + शानच्, शिव + शतृ

ख) निम्नलिखित में प्रकृति प्रत्यय निर्दिष्ट करें। 5
विदन्, हास्य, छेदनीय, जानान, क्रीणत।

6. क) निम्नलिखित शब्दों के सभी विभक्तियों एवं वचनों में शब्द रूप लिखें। 10
किम्(स्त्री०), युवन्, वणिज, मुनि

ख) संख्यावाची शब्दों को संस्कृत में लिखें। 2
तीन, नौ, पाँच, एक ।

7. निम्नलिखित धातुओं के निर्दिष्ट धातु रुप लिखें। 10
नम् (लृट् लकार), भू (विधिलिङ्), दा (लट् लकार), पच् (लोट लकार)

8. संस्कृत में अनुवाद करें। 15

i) यशोदा कृष्ण को मक्खन खिलाती है।

ii) दुःख के दिन सदा नहीं रहते।

iii) स्नान करके संध्या वंदन करनी चाहिए।

iv) नदियों के जल से संसार का कल्याण होता है।

v) सदैव सबसे मधुर भाषण करना चाहिए।

vi) राम और रमेश घर जाते हैं।

vii) सुशीला अध्ययनरत कन्या है।

viii) हमें गुरूजनों का सम्मान करना चाहिए।

ix) मेरे द्वारा देवताओं की पूजा की जानी चाहिए।

x) रोग के कारण का परित्याग ही चिकित्सा है।

9. निम्नलिखित आठ में अशुद्धि संशोधन करें। 8

i) रामः मम शतं धारयति ।

ii) हरिः बालिना वसुधां याचते ।

iii) नृपः शत्रुं कुप्यति ।

iv) बालकः कन्दुकस्य सह क्रीडति ।

v) नद्याः उभयतः वृक्षाः सन्ति ।

vi) पुत्रः जनकस्य अनुगच्छति ।

vii) नृपस्य स्वस्ति ।

viii) कुण्डलस्य हिरण्यम् भवति ।

ix) मम दुग्धं रोचते ।

x) छात्राः गृहस्य प्रति गच्छन्ति

68

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2008/05

Ashtang Sangrah

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रोग रोगी परीक्षा विधि, देश के भेद व लक्षण, उद्वर्तन के गुण तथा आधारणीय वेग, क्वथित जल के गुण लिखें। 15

2. सविष अन्न की पक्षियों द्वारा परीक्षा लिखकर, सप्तविधाहार कल्पना का वर्णन कर औषध के प्रकार लिखें। 15

3. वमन, विरेचन एवं शिरोविरेचनोपयोगी किन्ही 10 - 10 द्रव्यों का उल्लेख कर प्रभाव की परिभाषा, अम्लरस के कार्य, रसधातुवृद्धि लक्षण लिखें। 15

4. "दोषा एवं हि सर्वरोगैककारणम्" सूत्र की व्याख्या करते हुए औषध सेवन काल लिखकर उष्म स्वेद के प्रकार लिखें। 15

5. आस्थापन एवं अनुवासन वस्ति में भेद अञ्जनकल्पना के प्रकार, संदश तथा लेखन पुटपाक के लक्षण लिखें। 15

6. प्रच्छान्न विधि, शल्य चिकित्सा में सिरोवेध की उपयोगिता प्रतिपादित कर सम्यक् दग्ध की चिकित्सा लिखें। 15

69

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2008/05

Ayurved Ka Itihas

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. आयुर्वेदावतरण की व्याख्या लिखते हुए,चरक संहिता में वर्णित आयुर्वेदावतरण का विस्तार से वर्णन करें। 15

2. समुद्र मंथन का वर्णन करते हुए भगवान धन्वतंरि के प्रादुर्भाव का वर्णन करें। 15

3. संहिता काल से आप क्या समझते हैं। चरक संहिता के व्याख्याकारों का वर्णन करें। 15

4. लघुत्रयी से संबन्धित ग्रंथों का वर्णन करते हुए शाङ्गंधर संहिता का वर्णन करें। 15

5. हिप्पोक्रेट्स का परिचय बताते हुए उस पर आयुर्वेद के प्रभाव का वर्णन करें। 15

6. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5 + 5 + 5 = 15
   - क) पशु चिकित्सा
   - ख) आयुर्वेद से संबन्धित पत्र पत्रिकाएं
   - ग) विश्व स्वास्थ्य संगठन

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2008/05

Padarth Vigyan-A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. दर्शन शब्द का अर्थ बताते हुए, दर्शन के उद्भव तथा व्यापकता पर प्रकाश डालें। 15

2. आयुर्वेद से संबन्धित दर्शनों का उल्लेख करते हुए दर्शनों का आयुर्वेद पर प्रभाव स्पष्ट करें। 15

3. द्रव्य के लक्षण तथा भेदों का वर्णन करें। 15

4. गुर्वादी एवं परादि गुणों का चिकित्सकीय महत्व लिखें। 15

5. सामान्य एवं विशेष का वर्णन करते हुए "प्रवृतिरुभयस्य तु" का विवेचन करें। 15

6. अभाव का लक्षण भेद लिखते हुए आयुर्वेदीय दृष्टिकोण से इसका महत्व लिखें। 15

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2008/05

Padarth Vigyan - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. प्रमा, प्रमेय, प्रमाता को समझाकर त्रिविध प्रमाणों में अष्टविध प्रमाणों का समावेश करें। 15

2. अनुमान प्रमाण के लक्षण एवं भेद लिखकर लिंङ्ग परामर्श, अन्वयव्यतिरेकि तथा केवलान्वयी को विस्तार से समझाएं। 15

3. उपमान किसे कहते हैं? उपमान प्रमाण के लक्षण लिखकर उपमान की आयुर्वेद में उपयोगिता लिखें। 15

4. आयुर्वेद में 'वाद' का क्या अर्थ है? क्षणभंगुरवार,परमाणुवाद एवं विवर्तवाद को विस्तार से समझाएं। 15

5. प्रकृति एवं पुरूष को विस्तार से बताकर, मोक्ष एवं अपुनर्भव तथा सर्ग एवं लय का तुलानात्मक वर्णन करें।15

6. पदार्थ विज्ञान में कल्पना किसे कहा गया है? इसकी संख्या बताकर ताच्छील्य को समझाएं। 15

Kriya Sharir-A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. "दोषधातुमलमूलं हि शरीरम्" की व्याख्या करें। 15

2. पित्त के कर्मों का उल्लेख करते हुए पाचक पित्त के कर्म लिखें। 15

3. व्यानवात के कर्म समझाइये। 15

4. आहार द्रव्यों की उपयोगिता लिख कर आहार द्रव्यों का वर्गीकरण समझाइये। 15

5. धातुपोषण क्रम सविस्तार समझाइये। 15

6. निम्न पर टिप्पणी लिखें। 5 + 5 + 5 = 15
   क) प्रकृति
   ख) अच्छपित्त
   ग) अग्न्याशय

B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2008/05

Kriya Sharir-B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. ओज से आप क्या समझते हैं। उत्पत्ति, भेद, स्थान, प्रमाण आदि का वर्णन करें। 15

2. आर्त्तवचक्र का उभयमतानुसार वर्णन करें। 15

3. लसिका की उत्पत्ति, कार्य एवं संवहन का वर्णन करें। 15

4. मूत्र निर्माण प्रक्रिया का सचित्र वर्णन करें। 15

5. नेत्र गोलक का सचित्र वर्णन करते हुए दृष्टि ज्ञान प्रक्रिया का वर्णन करें। 15

6. स्वतंत्र तंत्रिका संस्थान के तत्वों की क्रिया का वर्णन करें। 15

74

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/05

Swasthvritta - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. शव विनाश की विभिन्न पद्धतियों का स्वास्थ्य पर प्रभाव का उल्लेख करें। 15

2. अब्रह्मचर्य का महत्व क्या है, उल्लेख करें। 15

3. कृमियों के प्रकार-ज्ञान एवं प्रतिरोध के उपाय का उल्लेख करें। 15

4. मादक द्रव्य कौन-कौन से है तथा इनका शरीर पर प्रभाव क्या होता है उल्लेख करें। 15

5. कीटाणु नाशक द्रव्य कौन-कौन से है तथा इनका शरीर प्रभाव क्या होता है उल्लेख करें। 15

6. फिरंग, उपदंश, उष्णमेह एवं एड्स कुप्रसंगज रोगों के कारण, लक्षण, चिन्ह आदि का उल्लेख करें। 15

75

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/05

Swasthvritta - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. आयुर्वेद में रोग का वर्णन लिखते हुए स्वास्थ्य पर यम एवं नियमों के पालन करने से पड़ने वाले अनुकूल प्रभाव लिखिए। 15

2. योगाभ्यास काल में पथ्यापथ्य का विवेचन कीजिए 15

3. कुम्भक के भेदों का वर्णन करते हुए उपवास का महत्व लिखिए। 15

4. परिवार कल्याण योजना एवं कार्यक्रम का वर्णन करते हुए जन्म मृत्यु पंजीकरण का महत्व लिखिए। 15

5. टी. बी नियन्त्रण कार्यक्रम के वर्तमान स्वरूप का वर्णन कीजिए। 15

6. निम्न लिखित पर टिप्पणी लिखें। 5+5+5=15
   क) डिप्थीरिया
   ख) मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम
   ग) स्वास्थ्य प्रशासन

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/05

Dravyaguna Vigyan - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. द्रव्यगत रस का ज्ञान कैसे होता है। रस की निरूक्ति और लक्षण लिखें । मधुर रस के गुणकर्मों का विवरण लिखें । 15

2. वीर्य का लक्षण लिखें तथा अष्ट वीर्यवाद का विस्तृत विवरण लिखिए । 15

3. परादिगुणों का चिकित्सात्मक विस्तृत विवरण लिखिए । 15

4. निम्नांकित कर्मवाचक परिभाषाओं का सोदाहरण विस्तृत विवेचन कीजिए । 15
   क) मदकारी
   ख) भेदन
   ग) रेचन

5. निम्नांकित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिये । 15
   क) भावप्रकाश निघण्टु
   ख) अम्लपंचक
   ग) अष्टवर्ग
   घ) त्रिकटु

6. द्रव्यों के पर्यायों का महत्व तथा द्रव्यों की संरक्षण विधि का महत्व विस्तार से लिखिए । 15

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/05

Dravyaguna Vigyan - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अधोलिखित द्रव्यों का वानस्पतिक नाम, मुख्य पर्याय एवं औषध योग लिखिए । 15
   - क) शटी
   - ख) अश्वत्थ
   - ग) सैरेयक

2. निम्नलिखित द्रव्यों का वानस्पतिक नाम, कुल एवं प्रयोज्याङ्ग. लिखिए। 15
   - क) लज्जालू
   - ख) मदयन्तिका
   - ग) दूर्वा

3. अधोलिखित द्रव्यों का परिचय एवं गुणकर्म लिखिए- 15
   - क) अग्निजार
   - ख) शम्बूक
   - ग) प्रवाल

4. निम्नलिखित द्रव्यों का वानस्पतिक नाम, दो-दो पर्याय, गुणकर्म एवं आमयिक प्रयोग लिखिए। 15
   - क) भल्लातक
   - ख वरूण
   - ग) शालपर्णी

5. अधोलिखित द्रव्यों का वानस्पतिक नाम, प्रयोज्याङ्ग., मात्रा एवं योग लिखिए। 15
   - क) वासा
   - ख अर्क
   - ग) मञ्जिष्ठा

6. टिप्पणी लिखिए । 15
   - क) जीवाणु प्रतिरोधक औषधियाँ
   - ख) संज्ञानाशक औषधियाँ
   - ग) गुग्गुल

BF/2008/05

Rog Vigyan - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रसवहस्त्रोतोदुष्टि के सामान्य हेतु एवं लक्षणों का वर्णन करते हुए पाण्डु रोग की सम्प्राप्ति का उल्लेख कीजिए? 15

2. व्याधिक्षमत्व का आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार वर्णन कीजिए । 15

3. टिप्पणी लिखिए । 5 + 5 + 5 = 15
   क) कर्कटार्बुद
   ख) अतिसंवेदनशीलता
   ग) NECROSIS

4. निदानपञ्चक की परिभाषा बताते हुए सम्प्राप्ति का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए । 15

5. जनपदोध्वंस में व्याधियों की उत्पत्ति किस प्रकार होती है? आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार वर्णन कीजिए । 15

6. टिप्पणी लिखिए । 5 + 5 + 5 = 15
   क) आशयापकर्ष
   ख) अरिष्ट
   ग) आवरण

BF/2008/05

Rog Vigyan - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. विषम ज्वर की परिभाषा, भेद एवं लक्षणों का आधुनिक मत से सामञ्जस्य करते हुए वर्णन करें। 15

2. हृत्शूल (Angina) एवं हृदयाभिघात (Myocordial Infarction) के कारण, लक्षण एवं सम्प्राप्ति (PathogenesiS) का सचित्र वर्णन कीजिए। 15

3. मूत्र कृच्छ एवं मूत्रघात में अन्तर स्पष्ट करते हुए, मूत्रकृच्छ के निदान, लक्षण सम्प्राप्ति एवं भेदों का स्पष्ट वर्णन करें। 15

4. निम्न रोगों के निदान, लक्षण, सम्प्राप्ति लिखें। 5 + 5 + 5 = 15
   क) अर्दित
   ख) पक्षाघात
   ग) आक्षेपक

5. निम्नलिखित परजीवियों/जीवाणुओं का निवास स्थान, स्वरूप, जीवनव्यापार, रोगोत्पादकता का वर्णन करें। 5 + 5 + 5 = 15
   क) Entamoeba Histolytica
   ख) Vibrio cholerea
   ग) Gonococcus

6. निम्न पर टिप्पणी लिखें। 5 + 5 + 5 = 15
   क) सन्यास
   ख) Classification and Identification of micro organisms
   ग) AIDS

80

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/05

Charak Samhita
(Poorvardha)

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. चरक संहिता में विषय प्रतिपादनार्थ प्रयुक्त सूत्रो के प्रकारों का उल्लेख करते हुए चतुष्कों का भी समझाइये। 15

2. रक्तपित्त की निरूक्ति, पूर्वरूप, लक्षण एवं साध्यासाध्यता का सविस्तार वर्णन कीजिए। 15

3. रसप्रभाव, द्रव्यप्रभाव, दोषप्रभाव एवं विकार प्रभावों को सोदाहरण विश्लेषित करें। 15

4. मोक्ष एवं मोक्ष के विषय में चरकोक्त मत का प्रतिपादन कीजिए एवं सत्याबुद्धि एवं स्मृति को भी समझाइये। 15

5. स्वप्नभेद एवं दोष सम्बन्ध को प्रतिपादित कीजिए तथा प्रमेह के अरिष्ट लिखिये। 15

6. अभ्यास करने योग्य आहार एवं शरीरमानस रोगों का चिकित्सा सूत्र लिखिए। 15

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/05

Ras Shastra Avam
Bhassajya Kalpana - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित का वर्णन करें। 5+5+5=15
   - क) अम्लवर्ग
   - ख) लवणपञ्चक
   - ग) निरुत्थीकरण

2. यन्त्रों का प्रयोजन लिखते हुए निम्नलिखत यन्त्रों का परिचय एवं उपयोग लिखें। 5+5+5=15
   - क) खल्व यन्त्र
   - ख) कच्छप यन्त्र
   - ग) बालुकायन्त्र

3. निम्नलिखित का वर्णन करें। 3+3+3+3+3=15
   - क) सामान्य मूषा
   - ख गारकोष्ठी
   - ग) गोमयपुट
   - घ) भूधरपुट
   - ड.) रस एवं रसायन में भेद

4. निम्नलिखित का वर्णन किजिए । 5+5+5=15
   - क) नैसर्गिक- यौगिक एवं औपाधिक दोष
   - ख विजयपर्पटी निर्माण, मात्रा एवं उपयोग
   - ग) रस सिन्दूर निर्माण, मात्रा एवं उपयोग

5. महारसों के नाम, संख्या लिखकर वैक्रान्त परिचय, भेद, शोधन, मारणविधि एवं उपयोग, मात्रा लिखें। 15

6. निम्नलिखित का वर्णन करें। 5+5+5=15
   - क) ताम्र भस्मविधि एवं उपयोग
   - ख) प्रवाल शोधन एवं पिष्ठी निर्माण
   - ग) वत्सनाभ शोधन, मात्रा एवं उपयोग

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/05

Ras Shastra Avam
Bhassajya Kalpana - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'कल्पना' शब्द से क्या तात्पर्य है? चिकित्सा में भैषज्य कल्पना के महत्व पर प्रकाश डालें। 15

2. द्रव्यों के संग्रह एवं संरक्षण के सम्बन्ध मे शस्त्र निर्देश क्या हैं? शुष्क-आर्द्र एवं नवीन-पुराण द्रव्यों के लेने हेतु क्या नियम बतलाए गए है? 15

3. षडंग पानीय, लक्षारस एवं उष्णोदक का निर्माण एवं गुण उपयोग लिखें। 15

4. पञ्चगुणतैल के घटक, निर्माण विधि एवं पक्वापक्व निर्णय लिखें। 15

5. अनुक्र स्थल पर आसवारिष्ट निर्माण के सामान्य नियम क्या हैं? आसवारिष्ट संधान सिद्धि की परीक्षा कैसे करेंगे । 15

6. एलादीवटी, सितोपलादि चूर्ण एवं सत्पामृत लौह के घटक, निर्माण विधि एवं गुण उपयोग लिखें । 15

83

B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2008/05

Agad Tantra Viyvhar Avam Vidhi Vaidyak - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. मद्य के गुण व दोष लिखते हुए मद्यातिरेक की विभिन्न अवस्थाओं का सविस्तार वर्णन करते हुए चिकित्सा लिखें। 15

2. टिप्पणी लिखें। 5 + 5 + 5 =15
   - क) गर विष
   - ख) शंका विष
   - ग) विष कन्या

3. सर्प विष व लूता विष के लक्षणों पर प्रकाश डालते हुए चिकित्सा का वर्णन करें। 15

4. अहिफेन, संखिया एवं भल्लातक की विषाक्तता के लक्षण, घातक मात्रा, घातक काल लिखते हुए चिकित्सा लिखिए। 15

5. विष का सामान्य चिकित्सा क्रम लिखते हुए, विषमुक्त रोगी के लक्षण व चरकोक्त चिकित्सा उपक्रम भी लिखिए। 15

6. निम्नलिखित विषों के लक्षण, घातक मात्रा, घातक काल लिखते हुए चिकित्सा भी लिखें।
   - क) H_2SO_4 (Sulphuric Acid)
   - ख) HNO_3 (Nitric Acid)
   - ग) Oxalic Acid

   5 + 5 + 5 =15

BF/2008/05

Agad Tantra Viyvhar Avam
Vidhi Vaidyak - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. न्यायालय के भेदों का उल्लेख कर उनके कार्यक्षेत्र तथा अधिकारों का वर्णन कीजिए । 15

2. मृत्यूत्तर शव परीक्षण प्रक्रिया का वर्णन कीजिए । 15

3. अभिघात के भेदों का उल्लेख कर पिच्चित अभिघात का वर्णन कीजिए । 15

4. बन्ध्यत्व तथा नपुंसकता को स्पष्ट कर बन्ध्यत्व के कारणों को लिखिए । 15

5. वास्तविक एवं कृत्रिम उन्माद में भेद बतलाकर चिकित्सक के कर्त्तव्यों को लिखिए । 15

6. संक्षप नोट लिखें। 5 + 5 + 5 = 15
   क) मूर्च्छा
   ख) वैधानिक गर्भपात
   ग) शवोत्खनन

85

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/05

Kayachikitsa- A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. व्याधि की निरुक्ति, परिभाषा और भेदों का वर्णन करें। 15

2. स्वकृत एवं परकृत व्याधि प्रत्यनीक क्षमता का विस्तृत व्याख्या करें। 15

3. **टिप्पणी करें:**
   - क) मानस रोगों के कारण 5
   - ख) लौकिकी चिकित्सा 5
   - ग) चिकित्सा पर्याय 5

4. षडविधोपक्रम का नामोल्लेख करते हुए युक्ति व्यापाश्रय चिकित्सा की व्याख्या सोदाहरण करें। 15

5. सामान्य और नामात्मज रोगों का वर्णन करते हुए उनका चिकित्सा सिद्धान्त पर प्रकाश डालें। 15

6. **टिप्पणी करें**
   - क) आमदोष चिकित्सा सूत्र 5
   - ख) आधुनिक चिकित्सा पद्धति सिद्धान्त 5
   - ग) विकार अनुपत्तिकर चिकित्सा 5

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/05

Kayachikitsa- B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निज एवं आगन्तुक ज्वर के निदान, सम्प्राप्ति एवं भेदोपभेद का उल्लेख करते हुए जीर्ण ज्वर की चिकित्सा लिखें। 15

2. मलेरिया ज्वर का कारण, सम्प्राप्ति, लक्षण व चिकित्सा का सविस्तार वर्णन करें। 15

3. **निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें** 15
   - क) काला ज्वर
   - ख) भूताभिषगंज ज्वर
   - ग) कृष्ण मेह ज्वर

4. हृद्रोग का कारण, भेद, सम्प्राप्ति, लक्षण व चिकित्सा विस्तार पूर्वक लिखें। 15

5. कमला रोग का कारण, भेद, सम्प्राप्ति, लक्षण, चिकित्सा सूत्र एंव चिकित्सा लिखें। 15

6. निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 15
   - क) छर्दि रोग चिकित्सा
   - ख) रक्तगत वात
   - ग) विसर्प चिकित्सा

87

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/05

Kayachikitsa- C

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. चरकोक्त कोष्ठांगो की गणना कर क्षुद्र रोगों का वर्णन कर रक्तगतवात की चिकित्सा लिखें। 15

2. पर्यावरण (Environmental) के कारण होने वाले रोगों का सामान्य परिचय कर उनका प्रतिकार लिखें। 15

3. **किन्ही तीन पर टिप्पणी लिखें।** 15
   - क) खाद्य पदार्थों की विषाक्तता (Food Poisioning)
   - ख) अष्ठीला
   - ग) रक्कांग वात
   - घ) आक्षेपक

4. अपस्मार (Epilepsy) एवं अपतन्त्रक (Hysteria) का निदान, विभेदक लक्षण एवं चिकित्सा क्रम लिखें। 15

5. वृद्धावस्थाजन्य व्याधियों के कारण, लक्षण लिखकर मूत्रावरोध की चिकित्सा लिखें। 15

6. **किन्ही तीन पर टिप्पणी लिखें।** 15
   - क) Hypoglycaemia
   - ख) जलना (Burns)
   - ग) भ्रम (Vertigo)
   - घ) सत्वावजय

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/05

Kayachikitsa- D

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. स्वेदनकर्म के योग्य रोग व रोगी कौन-कौन से हैं? लिखते हुए स्वेदित, अस्वेदित एवं अतिस्वेदित रोगियों के लक्षण भी लिखें। 15

2. वस्ति व्यापद उपद्रवों का विस्तार से वर्णन करते हुए उनके उपचार के बारे में भी वर्णन करें। 15

3. स्वेदन क्रिया में प्रयुक्त होने वाले द्रव्यों पर प्रकाश डालें। तथा विरेचन कर्म के उत्तम, मध्यम व अपर वेगों के बारे में लिखें। 15

4. विटामिन 'ए' नामक जीवतिक्त (Vitamin) की कमी से होने वाले विकार का वर्णन करते हुए उसकी चिकित्सा भी लिखें। 15

5. रसायन की निरूक्ति, पर्याय एवं परिभाषा लिखते हुए रसायन के प्रयोजन बारे भी लिखें। 15

6. **निम्न में किन्ही तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।** 15
   - क) प्रशस्त शुक्र के लक्षण
   - ख) वाजीकरण का ऐतिहासिक महत्व
   - ग) आचार रसायन.
   - घ) सन्तानहीन की निन्दा

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/05

Prasooti Tantra Avm
Stri Rog- A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. गर्भिणी की स्वास्थ्य परीक्षा (Examination of Pregnant woman) का वर्णन आयुर्वेदीय एवं आधुनिक मत से करें। 15

2. गर्भोपघातक भाव का लेख कर गर्भ की मासानुमासिका वृद्धि का वर्णन आयुर्वेदीय व आधुनिक मतानुसार करें। 15

3. संक्षिप्त वर्णन करें। 15
   क) दौहृद (गर्भिणी) की अवमानना
   ख) नाभिनाड़ी (Umblical Cord)
   ग) स्त्री आशय, योनि, पेशी, स्रोतस, धमनी की संख्या

4. प्रसव व्यापद को परिभाषित कर प्रसवौत्तर रक्तस्राव के प्रबन्धन (PPH Management) का वर्णन करें। 15

5. सूतिका आहार सहित सूतिका रोग, संख्या, हेतु, लक्षण, साध्यतासाध्यता एवं चिकित्सा। 15

6. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें। 15
   क) परिवार नियोजन का महत्व
   ख) आसन्न प्रसवा का लक्षण
   ग) Caeserean Section

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/05

Prasooti Tantra Avm
Stri Rog- B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. बन्धयत्व कारण, भेद एवं चिकित्सा का विस्तृत वर्णन कीजिए? 15

2. डिम्बवाहिनी गत अबुर्द के कारण, लक्षण व चिकित्सा का वर्णन कर एड्स रोकथाम के उपाय लिखें। 15

3. **टिप्पणी लिखें।** 15
   क) योनि व्यापद्
   ख) सेफ पीरियड
   ग) स्तन, आर्तव व स्तन्य सम्बन्ध

4. मर्भाश्य मुख दहन की आवश्यकता क्यों होती है? विधि एवं उपद्रव लिखते हुए धूपन कर्म स्पष्ट करें। 15

5. उत्तर बस्ति की उपयोगिता प्रतिपादित कर विधि एवं आवश्यक उपकरण लिखिये। 15

6. **टिप्पणी लिखें।** 15
   क) कापर टी
   ख) डी एण्ड सी
   ग) दशमूलारिष्ट

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/05

Shalakya Tantra - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. राजर्षि निमि का संक्षिप्त परिचय लिख कर वर्त्म (Lids) व कृष्णमण्डल (Cornea) की रचना सचित्र प्रस्तुत करें। 5+5+5=15

2. स्राव रोगों की सम्प्राप्ति, लक्षण व चिकित्सा लिख कर Chronic Dacryocystitis रोग के कारण सम्प्राप्ति व लक्षण चिकित्सा सहित लिखें। 6+9=15

3. उत्संगिनी व अञ्जननामिका रोगों की विभेदक तालिका बना कर वातहत वर्त्म रोग का उभयगत से वर्णन करें। 15

4. अर्म रोग की परिभाषा सम्प्राप्ति लक्षण व शल्यकर्म के निर्देशानिर्देश व शस्त्र कर्म का वर्णन करें। 15

5. सशोफाक्षिपाक रोग के लक्षण व चिकित्सा लिख कर Ac. Muco purulent conjunctivitis की व्याख्या करें। 15

6. **टिप्पणी लिखें** 15

   क) तिमिर रोग व उस की अवस्थाएं

   ख) मायोपिया परावर्तन जन्य विकार

   ग) अञ्जन क्रिया कल्प

93

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/05

Shalakya Tantra - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. शिरोरोगों की संख्या बतलाते हुये सूर्यावर्त के लक्षण एवं चिकित्सा लिखें। 15

2. कर्णनाद एवं कर्णक्ष्वेड में अन्तर बताते हुये कर्णस्राव के कारण, लक्षण एवं चिकित्सा लिखिये। 15

3. मुखरोगों की संख्या, लक्षण एवं चिकित्सा लिखिये। 15

4. कृमिदन्त का कारण, लक्षण एवं चिकित्सा आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार बताइये। 15

5. **निम्न पर टिप्पणी लिखें** 15

   क) शीताद

   ख) सर्वसर

   ग) रोहिणी

6. नासागत शोणितपित्त के कारणों का उल्लेख करते हुये चिकित्सा व्यवस्था लिखिये। 15

94

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/05

Shalya Tantra - A

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

नोट : हिन्दी में पूछे गये प्रश्नों का आयुर्वेदीय पक्ष ही लिखे तथा अंग्रेजी में पूछे गये प्रश्नों का आधुनिक मत ही बताऐं।

1. क) शल्य तंत्र के ह्रास के कारणों का उल्लेख करते हुए सश्रुत के समकालीन ग्रंथकारों के बारे में लिखें। 10
   ख) व्रण अधिष्ठान के विषय में संक्षेप में लिखें। 5

2. **संक्षेप में लिखें**
   क) प्रनष्ट शल्य चिकित्सा 5
   ख) अग्निकर्म साधित व्याधियाँ 5
   ग) प्रण बन्धन 5

3. क) आदौं विम्लापनं कुर्यात . . . . . श्लोक को पूरा करते हुए यह किस संदर्भ मे कहा है बताएं। 10
   ख) क्षार गुण एवं दोष 5

4. **Write about**
   a) Complications of local anesthetic agents 10
   b) Preservation injuries of blood 5

5. **Write briefly:-**
   a) MRI 5
   b) Hyperkalemia 5
   c) Suturing Threads 5

6. क) यन्त्रों के नाम व संख्या बताते हुए स्वस्तिक यंत्र के बारे में लिखें। 10
   ख) शस्त्र पायना 5

95

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/05

Shalya Tantra - B

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अस्थिभग्न के प्रकार एवं लक्षण लिखकर भग्न की चिकित्सा का सिद्धान्त लिखें तथा उर्वस्थिशिरोभग्न (Fracture of Head of Femer) का वर्णन करें। 15

2. अर्बुद के प्रकार, हेतु, लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन करें। 15

3. संधिगत शोथ के कारण, लक्षण एवं उसकी चिकित्सा लिखें। 15

4. Peptic Ulcer Perforation के कारण, लक्षण, निदान तथा चिकित्सा विधि लिखें। 15

5. स्वयं अवलोकित गुद अथवा वृषण की किसी एक व्याधि का शस्त्र कर्म विस्तार से लिखें। 15

6. टिप्पणी लिखें। 15
   - क) मूत्रावरोध
   - ख) Classification of Hernia
   - ग) उण्डुकपुच्छ शोथ

96

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/05

Kaumarbhritya

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. स्तन्य परीक्षा विधि बताते हुए स्तन्य दोष एंव इसकी चिकित्सा का वर्णन करें। 15

2. लेहन क्या है? किन्हीं पाँच लेहन योगों का नाम लिखकर लेहन के महत्व पर प्रकाश डालिए। 15

3. निम्न लिखित का वर्णन करें 15
   क) बालकों का सामान्य चिकित्सा सूत्र
   ख) दन्तोद्भेद
   ग) निष्क्रमण संस्कार

4. स्कन्द ग्रह क्या है? आधुनिक मत से किस व्याधि से इसकी तुलना की जा सकती है। चिकित्सा सहित वर्णन करें। 15

5. चिकित्सा लिखिए 15
   क) फक्क रोग
   ख) यक्ष्मा
   ग) कृमि (warm infection)

6. टिप्पणी लिखिए 15
   क) शैय्या मूत्र
   ख) गंडमाला
   ग) व्यवहारिक व्यवधान जन्य समस्यायें

B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2008/05

Charak Samhita
[Uttrardha]

M.M. : 90 **Time : 3 Hours**

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रसायन एवं वाजीकरण के अन्तर को स्पष्ट कर सिद्ध करें की ये दोनों उपक्रम सरकार के परिवार नियोजन कार्यक्रम के अविरूद्ध हैं। 15

2. प्रमेह रोग के दुष्यों का विवेचन कर "न साध्य: पवनाच्चतुष्क:" श्लोकांश को सोपपत्तिक स्पष्ट करें। 15

3. ग्रहणी दोष में तक्र प्रयोग की दोषानुसार कार्मुकता को बताकर "प्रातराशे त्वजीर्णेऽपि सायमाशो न दुष्यति" श्लोकांश की व्याख्या करें। 15

4. वमन-विरेचन द्रव्यों के क्रिया समर्थतम कारक भावों का विस्तार से वर्णन करें। 15

5. स्नेहन एवं स्वेदन के लाभों का प्रतिपादन कर "नात: परं स्नेहनमादिशन्ति" कारिकांश को सोपपत्तिक स्पष्ट करें। 15

6. बस्ति की व्युत्पत्ति, भेद एवं आधानविधि का वर्णन कर "कर्मान्येद्बस्तिसमं न विद्यते" कारिका को स्पष्ट करें। 15